

की योजना के अनुसार रेलवे लाइन बिछाने से रेलवे को घाटा हुआ है और रेलवे ने भविष्य में नई रेलवे लाइनों का निर्माण करने के लिए योजना आयोग की सिफारिशों की परवाह न करने तथा अपने ही विशेषज्ञों की राय पर निर्भर करने का निर्णय किया है; और

(ख) यदि हां, तो क्या योजना आयोग ने इसके लिए रेलवे को अनुमति दे दी है ?

रेलवे मंत्री (श्री खे० मु० पुनाचा): (क) किसी नई लाइन का निर्माण शुरू करने से पहले, उपलब्ध आंकड़ों और राज्य सरकारों और अन्य मंत्रालयों द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र के सम्भावित औद्योगिक और खनिज विकास के बारे में दी गई जानकारी के आधार पर यातायात का बिस्तृत अनुमान लगाया जाता है। उस के बाद योजना आयोग की मंजूरी ली जाती है। चूंकि नई रेलवे लाइनों का निर्माण सम्बन्धित राष्ट्रीय योजना का एक अंग माना जाता है इसलिए यह प्रक्रिया अपनाई जाती है। पंचवर्षीय योजनाओं में बनाई गयी कुछ नयी लाइनों से अभी तक उतना प्रतिफल नहीं मिला है जिसकी पहले प्रत्याशा की गई थी जबकि अन्य लाइनों से प्रत्याशित प्रतिफल मिला है। फिर भी, भारी औद्योगिक, खनिज और अन्य परियोजनाओं के लिए अपेक्षित रेलवे लाइनों पर विचार करते समय वित्तीय प्रतिफल की संगणना के लिये एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाया जाता है।

(ख) सवाल नहीं उठता।

Strikes and Lock-outs in West Bengal

*1548. SHRI BENI SHANKER SHARMA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) the number of labour that was thrown out of employment due to Gheraos, strikes and lock-outs in West Bengal during the regime of united Front Government and the consequent amount of loss of wages to them ;

(b) the amount of approximate loss to the Companies or individuals owning those factories ; and

(c) its effect on the Central and State revenues ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Production of Nylon Yarn by Small Scale Units

*1549. SHRI S. S. KOTHARI : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that there is shortage of nylon yarn in the country and its prices are high ;

(b) if so, the reasons for not granting permission to the small-scale units to supplement the production by producing nylon yarn from caprolactum chips at cheaper cost; and

(c) whether Government propose to permit the installation of small scale units also ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) Indigenous production of nylon yarn is growing rapidly At present, with the imports effected by S. T. C. there is no report of any shortage in the country. Prices of nylon yarn have recently come down.

(b) and (c). It is estimated that by the end of 1970 the production would go up to 10 million Kgs and it may not be profitable for small scale producers to go into production.

Hindustan Machine Tools

*1550. SHRI S. K. TAPURIAH : will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 7467 on the 16th April, 1968 and state :

(a) for what types of machinery the scheme regarding offering of Hindustan Machine tools on hire will be applicable;